Date:
Page:

Non-Testing device

(गैर परीक्षण उपकरण) (II)

सूचनाएँ संकलन करने की प्रमुख विधियाँ

1- निर्देशन सेवाओं के अन्तर्गत सूचनाओं का विशेष महत्व होता है। व्यक्ति को शारीरिक, मानसिक, शैक्षिक एवं वैयक्तिक पक्षों से सम्बन्धित सूचनाओं को प्राप्त करके ही यह ज्ञात हो पाता है। कि सेवार्थी की क्या स्थिति है? तथा उसे किस प्रकार की आवश्यकता है~~उसे~~ सहायता की सहायता की आवश्यकता है। सूचना प्राप्त करने की इस अप्रमापीकृत विधियों का ज्ञान निर्देशन की प्रक्रिया का अध्ययन करने वाले प्रत्येक विद्यार्थी के लिए आवश्यक है।

(क) सूचनाएँ संकलन करने की अप्रमापीकृत विधियाँ

Non-Standardised Method for Collection Infomation

(1) आकस्मिक निरीक्षण अभिलेख (Anecdotal Record)

(2) आत्मकथा (Autobiography)

(3) निर्धारक (Rating)

(4) एकल अध्ययन (Case Study)

(5) एकल अध्ययन में ध्यान देने योग्य बातें

(6) समाजमिति (Sociometry)

(7) प्रश्नावली (Questionnaire)

Date:
Page:

(1) आकस्मिक निरीक्षण अभिलेख
(Ancodotal Record)

— इस प्रविधि के द्वारा छात्र के व्यक्तित्व का भी अध्ययन किया जाता है। शिक्षकों द्वारा छात्रों का प्रतिदिन किया गया निरीक्षण यदा-कदा छात्रों के व्यवहार को अधिक स्पष्ट कर देता है। लेकिन शिक्षक पर अत्यधिक उ कार्य होने के कारण वह छात्रों के विशेष व्यवहार को विस्मृत कर जाता है।

आकस्मिक निरीक्षण प्रविधि के अन्तर्गत विद्यार्थियों द्वारा लिखित डायरियाँ, शिक्षकों द्वारा तैयार किए गए घटना वृत्त तथा संचित अभिलेख पत्र इत्यादि को सम्मिलित किया जाता है।

जॉन डी० विलार्ड के अनुसार — "किसी छात्र के जीवन की घटना का जो कि निरीक्षण द्वारा महत्वपूर्ण समझी जाती है, सरल वर्णन ही, आकस्मिक निरीक्षण अभिलेख है।"

रैम्स ल्युइस के शब्दों में → "किसी विद्यार्थी के जीवन सम्बन्धी महत्वपूर्ण घटना की रिपोर्ट ही आकस्मिक निरीक्षण अभिलेख है।"

आकस्मिक निरीक्षण अभिलेख के प्रकार

प्रथम प्रकार :— इसमें विद्यार्थी के व्यवहार का वस्तुनिष्ठ अध्ययन होता है इसमें किसी भी तरह के विचारों का उल्लेख इसमें नहीं किया जाता है।

2- द्वितीय प्रकार → इस निरीक्षण अभिलेख में छात्र के व्यवहार के वर्णन के साथ ही संक्षिप्त टीका टिप्पणी भी लिखी होती है।

3 तृतीय प्रकार → इसमें छात्र के व्यवहार का विवरण एवं टीका टिप्पणी के अतिरिक्त उसमें उपचार का भी उल्लेख होता है।

4 चतुर्थ प्रकार → इसमें व्यवहार का वर्णन, उसके गुण व दोषों के साथ होता है।

आकस्मिक निरीक्षण अभिलेख के लाभ — इसके लाभ निम्नलिखित हैं

* इससे शिक्षक को विवरण लिखने की प्रेरणा प्राप्त होती है।
* इससे विद्यार्थी के व्यक्तित्व का समुचित उल्लेख प्राप्त होता है।
* गुण-निर्धारण रीति की अपेक्षा या अभिलेख अधिक महत्वपूर्ण है क्योंकि यह निरन्तर लिखा जाता है।
* छात्र की भिन्न-2 परिस्थितियों को समझने में सहायता प्राप्त होती है।
* इन अभिलेखों से विद्यार्थियों को आत्म-ज्ञान प्राप्त करने में भी सहायता मिलती है।
* इन अभिलेखों के आधार पर पाठ्यक्रम निर्माण एवं पाठ्यक्रम में सुधार किया जा सकता है।
* आकस्मिक निरीक्षण अभिलेखों के माध्यम से सेवार्थी एवं उपबोधक के बीच वैयक्तिक सम्बन्ध सुदृढ़ होते हैं।
* अभिलेखों से परामर्शदाता भी लाभान्वित होता है, वह छात्र की समस्या से पहले से ही परिचित हो जाता है।

विद्यालयों में नव-नियुक्त शिक्षक भी इससे लाभान्वित होते हैं।
* इन अभिलेखों के द्वारा वह छात्र को सहजता से समझ सकते हैं।
अतः आकस्मिक निरीक्षण अभिलेख, उनके मूल्यांकन में सहायता
* का कार्य करता है।
इससे साक्षात्कार प्रारम्भ करना अत्यन्त सरल हो जाता है।
*

2. आत्मकथा (Autobiography)

सूचनाएँ प्राप्त करने की अप्रमापीकृत प्रविधियों में आत्मकथा विधि का विशेष महत्व है। यह आत्मनिष्ठ विधि है। आत्मकथा के अन्तर्गत छात्र अथवा व्यक्ति अपनी बाल्यावस्था से लेकर आजीवन सतत रूप से अपने अनुभवों को लिखता है। छात्र द्वारा लिखित वर्णनों से मापन किए गए तथ्यों की व्याख्या करने में सहायता होती है।

आत्मकथा के प्रकार

आत्मकथाओं को विभिन्न प्रकारों से लिखा जा सकता है।

(1) वैयक्तिक इतिहास → इस इतिहास में किसी भी प्रकार के निर्देशन नहीं होते हैं। विद्यार्थी स्वयं के बारे में सब कुछ लिखता है। यह विवरण अव्यवस्थित होता है।

(2) निर्देशित आत्मकथा → निर्देशित आत्मकथा में व्यक्ति स्वयं

Date:
Page:

के बारे में लिखने हेतु स्वतंत्र नहीं होता है। यह एक प्रश्नावली के समान होती है उसके अनुसार ही व्यक्ति को स्वंय की आत्मकथा लिखनी पड़ती है। निर्दिशान आत्मकथा का प्रारूप निम्नलिखित है —

1. परिवार अनुभव — (i) परिवार एवं परिवार की आर्थिक स्थिति
(ii) धर्म तथा संस्कार
(iii) सामाजिक परिवेश - वह स्थान जहाँ पहले रह कर आये हैं।

2- विद्यालय के अनुभव
(i) विद्यालय में आरम्भ जीवन में।
(ii) प्राथमिक विद्यालय के अनुभव।
(iii) कौन-कौन से विद्यालयों में अध्यापन किया।
(iv) विद्यालय मित्र।
(v) शिक्षक
(iv) रुचिकर विषय एवं पाठ्य सहगामी क्रियाएँ।

3 अन्य अनुभव स्रोत :-
(i) वैयक्तिक विचार।
(ii) राष्ट्रीय समस्याओं से सम्बन्ध।
(iii) परिवार से सम्बन्ध।

आत्मकथा का महत्व → इस प्रविधि के द्वारा शिक्षक एवं उपबोधक छात्रों के सम्बन्ध में बहुत कुछ जानकारी प्राप्त कर सकते है। इस प्रविधि के निम्नलिखित महत्व है—

1. आत्मकथा प्रविधि छात्रों को आत्म-प्रदर्शन हेतु स्वतन्त्रता प्रदान करती है।
2. आत्मकथा लिखने से व्यक्ति के मस्तिष्क में व्याप्त तनाव समाप्त हो जाते हैं।
3. यह प्रविधि मितव्ययी है इसमें समस्त विद्यार्थियों को एक समूह में बैठकर, अल्प समय में ही आत्मकथा लिखवायी जाती है।
4. इस प्रविधि के द्वारा विद्यार्थियों को महान व्यक्तियों की आत्मकथा पढ़ने हेतु प्रेरणाएं एवं प्रोत्साहन दिए जाते हैं।

3 रेटिंग मापनी

छात्र के व्यक्तित्व एवं निष्पत्ति या शैक्षिक उपलब्धि निर्धारण का इस प्रविधि द्वारा मापन किया जाता है। यह एक आत्मनिष्ठ विधि है। वर्तमान में इस विधि का प्रयोग औद्योगिक संस्थानों में कार्यरत व्यक्तियों के वेतन में वृद्धि करने तथा पदोन्नति करने हेतु किया जाता।

" Rating Scale is a Selected of wods, Pharases, Sentences, or Paragraphs following which an observer records a value or rating based